

**ब्राह्मीतन्त्र शास्त्र
 राष्ट्र विद्या विभाग
 शिक्षण
दार्शनिक विद्या विभाग-राष्ट्रवार**

पुस्तक एक ३-११/२००२/२०

राष्ट्रवार, दिनांक

प्रति,

शिक्षण,
 ऐन्ड्रीय बोर्ड अफ लेन्डरो इन्डियन,
 ग्रोट विभाग, नई दिल्ली ।

विषय:- विश्वदीप उच्चतर माध्यमिक विधानसभा [छ.ग.] को ऐन्ड्रीय बोर्ड अफ लेन्डरो इन्डियन, नई दिल्ली से तमस्का ऐन उनापतिः-
 दन ।

// उनापतिः प्रयाण-दन //

राज्य शास्त्र विश्वदीप उच्चतर माध्यमिक विधानसभा, दुर्ग [छ.ग.]
 को ऐन्ड्रीय बोर्ड अफ लेन्डरो इन्डियन, नई दिल्ली से तमस्का ऐन उनापतिः-
 दन प्रयाण-दन इस रूप से प्रदान किया जाता है जो उक्त विधानसभा
 के शास्त्रकारियों तथा नियमिति के नियमिक ग्रंथ से छत्तीसगढ़ शास्त्र का एक
 प्रतिनिधि बनोन्ना किये जायेगे ।

छत्तीसगढ़ के राज्यवाल के नाम से
 प्रयाण आदेशानुवार

सही

प्रध्नी. एत. शास्त्रवार।

अवर शिक्षण

ब्राह्मीतन्त्र शास्त्र, राष्ट्र विद्या विभाग

पुस्तक एक ३-११/२००२/२० राष्ट्रवार, दिनांक १५ जून, २००२

प्रतिनिधि:-

१. प्रधारी शुभराम, लोक विभाग, छ.ग.राष्ट्रवार ।
२. गुरुराम शुभराम, राज्य बोर्ड अनु. एवं प्रिय. परिषद, राष्ट्रवार ।
३. विद्या विभाग अधिकारी, शक्ति दुर्ग [छ.ग.] ।
४. श्री प्रधारी, विश्वदीप उच्चतर माध्यमिक विधानसभा, दुर्ग [छ.ग.] ।

जो और कुपनार्थ एवं प्रधारी का शास्त्रकारी ऐन उनापति ।

Shri M. A.
 अवर शिक्षण
 ३०६/४१६/२००२

ब्राह्मीतन्त्र शास्त्र, राष्ट्र विद्या विभाग